भूगोल कक्षा 10वीं

अध्याय - 3

''कृषि''

जानने योग्य तथ्य तथा महत्त्वपूर्ण शब्दावली :-

★ भारत सबसे अधिक फलों और सब्जियों का उत्पादन करता है।

★ रोपण कृषि में एक लंबे चौड़े भूखंड पर एक ही फसल बोई जाती है।

★ भारत में चाय, कॉफ़ी, रबड़, गन्ना, केला इत्यादि मुख्य रोपण फसलें हैं।

★ भारत में मुख्य रूप से चावल, गेहूँ, मोटे अनाज, दालें (दलहन), चाय, कॉफी, गन्ना, तिलहन, कपास, जूट इत्यादि फसलें उगाई जाती हैं।

★ रबी फसलें अक्टूबर से दिसबंर के मध्य में बोई जाती हैं और ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून के मध्य काट ली जाती है। गेहूँ, जौ, मटर, चना और सरसों आदि मुख्य रबी फसलें हैं।

★ खरीफ़ फसलें देश के विभिन्न क्षेत्रों में मानसून के आगमन के साथ जून-जुलाई में बोई जाती हैं और सितंबर-अक्टूबर में काट ली जाती है।

★ खरीफ ऋतु की मुख्य फसलें चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, मूँग, उड़द, कपास, जूट, मूँगफली और सोयाबीन हैं।

★ भारत में अधिकांश लोगों का खाद्यान्न चावल है। भारत चावल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

★ ज्वार, बाजरा, रागी, मिलेट भारत में उगाए जाने वाले मुख्य मोटे अनाज हैं।

★ भारत का विश्व में दालों के उत्पादन में अग्रणी स्थान है।

★ भूमि को जोतने, बोने, फसलें उगाने, पशुओं को पालने की कला को कृषि कहते हैं।

★ निर्वाह कृषि - ऐसी कृषि प्रणाली जिसमें किसान अपने परिवार का पोषण

करने के लिए उत्पादन करता है। इसमें परंपरागत कृषि उपकरणों तथा तरीकों का प्रयोग किया जाता है।

★ कर्तन-दहन प्रणाली - कृषि की ऐसी पद्धति जिसमें किसान जमीन के टुकड़े को साफ करके उन पर अनाज व अन्य खाद्य फसलें उगाते हैं। जब मृदा में उर्वरा शक्ति कम होने लगती है तब उस भूखंड को छोड़ दिया जाता है। फिर अन्य स्थान पर नया खेत बना लिया जाता है।

★ गहन कृषि - इस पद्धति में अधिक उत्पादन के उद्देश्य से अधिक निवेश, आधुनिक उपकरणों, कीटनाशकों, उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है।

★ रोपण कृषि - एक प्रकार की वाणिज्यिक कृषि है जिसमें विस्तृत क्षेत्र में एकल फसल बोई जाती है। जिसमें अत्यधिक पूंजी निवेश व श्रम का प्रयोग होता है।

★ शस्यावर्तन - भूमि की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए भूमि के किसी टुकड़े पर फसलें बदल-बदल कर बोना।

★ चकबंदी - बिखरी हुई कृषि जोतों अथवा खेतों को एक साथ मिलाकर आर्थिक रूप से लाभ प्रद बनाना।

★ हरित क्रांति - कृषि क्षेत्र में अधिक उपज वाले बीजों का प्रयोग, आधुनिक तकनीक, अच्छी खाद, उर्वरकों का प्रयोग करने से कुछ फसलों विशेषकर गेहूँ के उत्पादन में क्रांतिकारी वृद्धि को हरित क्रांति कहते हैं।

★ श्वेत क्रांति - दूध के उत्पादन में वृद्धि के लिए पशुओं की नस्लों को सुधारना, आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया गया। 'ऑपरेशन फ्लड' इसी कार्यक्रम का मुख्य भाग है।

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (1 अंक वाले)

1. भारत की चार रबी तथा चार खरीफ फसलों के नाम लिखो।
2. रोपण कृषि की दो विशेषताएँ लिखो।
3. दलहन तथा तिलहन फसलों के चार उदाहरण लिखो।

4. रेशम उत्पादन के लिए रेशम के कीड़ों को पालना कृषि का कौन सा प्रकार है ?

5. कर्तन दहन कृषि या स्थानांतरीय कृषि विभिन्न देशों में किन-किन नामों से जाना जाता है ?

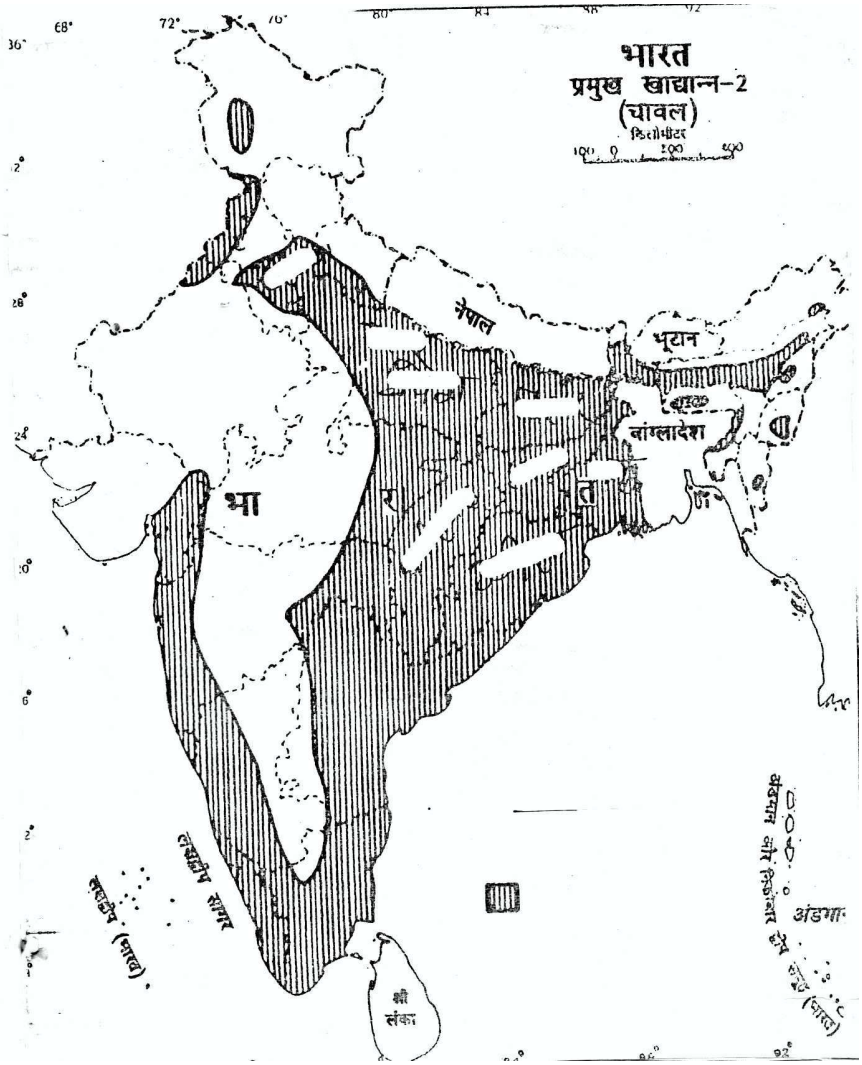
6. जीविका निर्वाह कृषि की दो विशेषताएँ लिखो।

7. गहन कृषि के दो गुण लिखो।

8. 'ऑपरेशन फ्लड' किससे संबंधित है ?

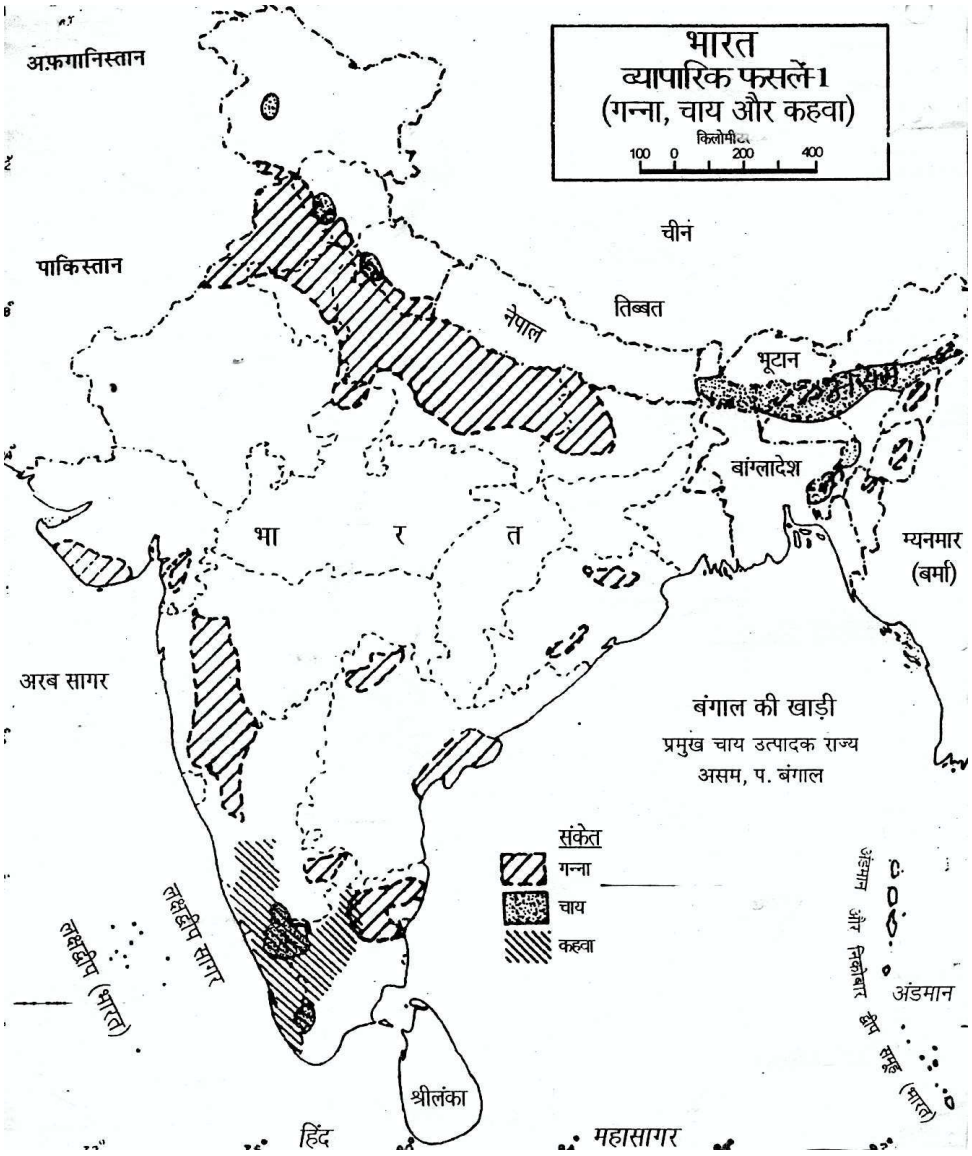
9. आर्गेनिक कृषि (जैविक कृषि) क्या है ?

10. 'सुनहरा रेशा' किस फसल को कहा जाता है ?



लघु/दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न (3/5 अंक वाले प्रश्न)

1. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का क्या महत्त्व है ?
2. सरकार द्वारा किसानों के हित में किए गए संस्थागत सुधारों के बारे में लिखें।
3. भारत में घटते खाद्य उत्पादन के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारणों का वर्णन करो।
4. जीविका निर्वाह कृषि तथा वाणिज्यिक कृषि में अंतर बताइए।



5. चाय की फसल के लिए उपयुक्त भौगोलिक दशाओं का वर्णन करो।

6. रबड़ व मक्का के उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाओं का वर्णन करो।

7. गन्ने की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं का विवेचन करो।

8. चावल तथा कपास के उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाओं को लिखो।

9. भारत में उगाई जाने वाली चार रेशेदार फसलों के नाम लिखिए। इनमें कौन सा रेशा सीधे फसल उगाने से प्राप्त नहीं होता ? इसकी उत्पादन विधि का नाम भी लिखें।

10. गेहूँ की कृषि के लिए उपयुक्त दशाओं का वर्णन करो।

उत्तर कुंजी -

अति लघु उत्तर वाले प्रश्नों के उत्तर (1 अंक वाले)

1. रबी - गेहूँ, चना, जौ, मटर, सरसों आदि

   खरीफ़ - चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, मूँग आदि।

2. 1) रोपण कृषि व्यापक क्षेत्र में की जाती है।

   2) अधिक पूंजी और श्रम की आवश्यकता।

3. दलहन - अरहर, मूँग, उड़द, मटर, चना, मसूर आदि।

   तिलहन - मूँगफली, सरसों, अलसी, तिल, सोयाबीन आदि।

4. सेरीकल्चर

5. मैक्सिको तथा मध्य अमेरिका - मिलपा

   वेनेजुएला - कोनुको

   ब्राजील - रोका

इंडोनेशिया – लदांग

वियतनाम – रे

मध्य अफ्रिका – मसोले

6. 1) भूमि के छोटे टुकड़ों पर परंपरागत रूप से कृषि करना।

2) प्रायः मानसून, मृदा की प्राकृतिक उर्वरता तथा फसल उगाने की पर्यावरणीय परिस्थितियों की उपयुक्तता पर निर्भर।

7. 1) अधिक उत्पादन के लिए अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों तथा सिंचाई का प्रयोग।

2) भूखंडो का आकार छोटा होने पर कई-कई फसलें उगाना।

8. दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए

9. प्राकृतिक तरीकों से कृषि, उर्वरकों, कीटनाशकों का प्रयोग न करके कृषि करना कार्बनिक कृषि/ आर्गेनिक कृषि या जैविक कृषि कहते है।

10. जूट या पटसन

लघु/दीर्घ उत्तर वाले प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक वाले)

1. 1) दो-तिहाई जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न

2) कृषि एक प्राथमिक क्रिया

3) विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराना।

4) भारत की प्राचीन आर्थिक क्रियाएँ

5) पिछली कुछ शताब्दियों में कृषि कार्यों में क्रांतिकारी परिवर्तन।

2. 1) फसलों की बीमा सुविधा देना।

2) सहकारी बैकों का विकास कर किसानों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराना।

3) फसलों के समर्थन मूल्य का उचित निर्धारण कर प्रोत्साहित करना।

4) मौसम संबंधी सूचनाओं को समय-समय पर प्रसारित करना।

5) कृषि संबंधी नवीन तकनीक, औजारों, उर्वरकों आदि से संबंधित कार्यक्रम रेडियों तथा दूरदर्शन पर प्रसारित करना।

3. 1) गैर कृषि उपयोग के साथ प्रतिस्पर्धा के कारण बोए गए क्षेत्र में कमी।

2) रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों का अधिक उपयोग के कारण उपजाऊ क्षमता में कमी।

3) असक्षम तथा अनुचित जल प्रबंधन ने जलाक्रांतता और लवणता की समस्या को उत्पन्न किया।

4) अत्यधिक भू-जल दोहन के कारण भौम स्तर गिर गया है, इससे कृषि लागत में वृद्धि।

5) अपर्याप्त भंडारण क्षमता तथा बाज़ार का अभाव

4. जीविका निर्वाह कृषि वाणिज्यिक कृषि

1) खेतों का छोटा आकार 1) खेतों का बड़ा आकार

2) परंपरागत तकनीक तथा उपकरण 2) नवीनतम तकनीक तथा औजार

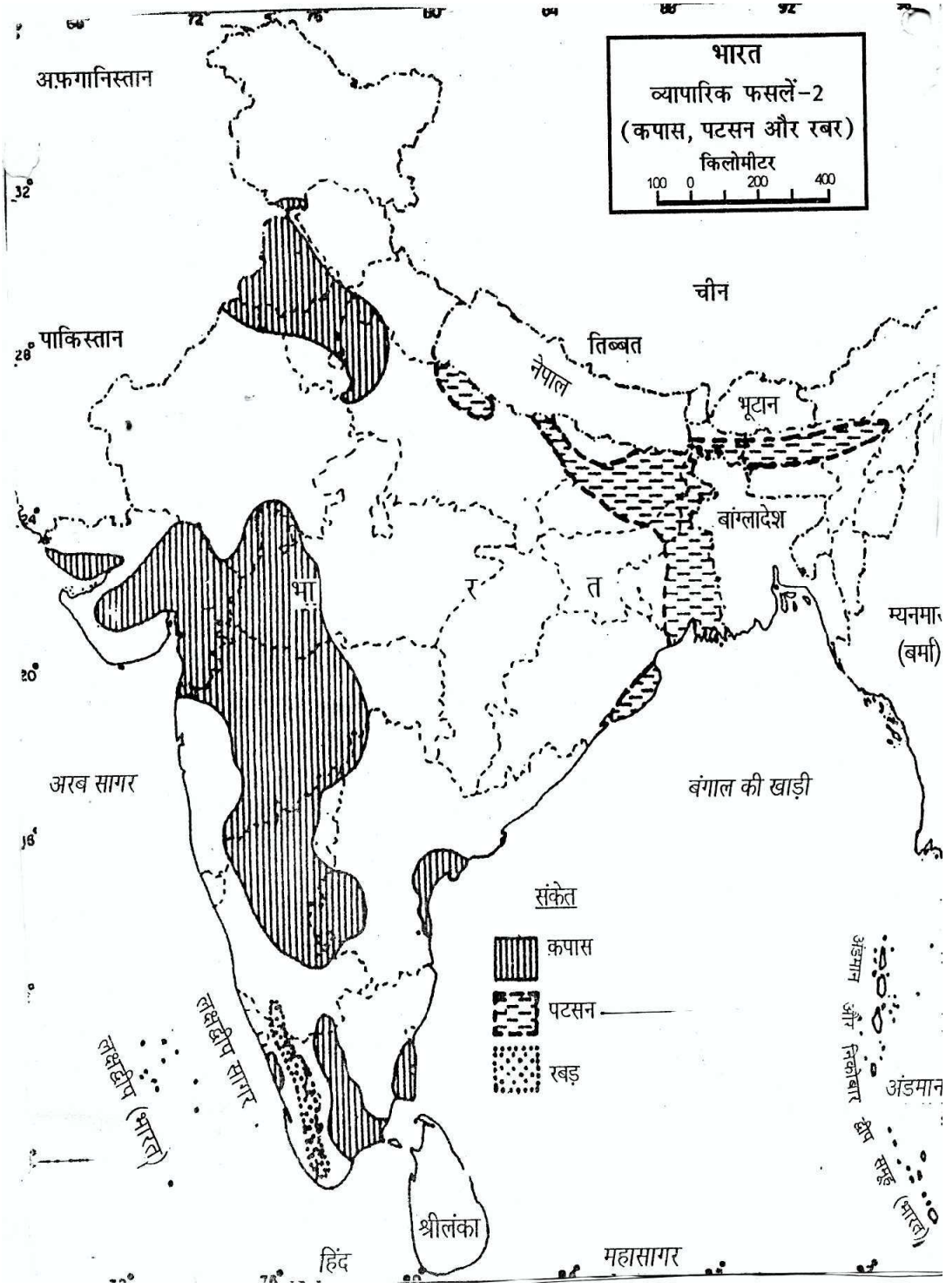
3) स्थानीय बाजार के लिए उत्पादन 3) निर्यात करने के लिए उत्पादन

4) दो या तीन फसलें लेना 4) एक मुख्य फसल पर बल

5) खाद्य फसलों की पैदावार पर बल 5) गन्ना, कपास, गेहूँ आदि।

प्रश्न 5 से 10 तक के लिए निम्न सारणी का अवलोकन करें।

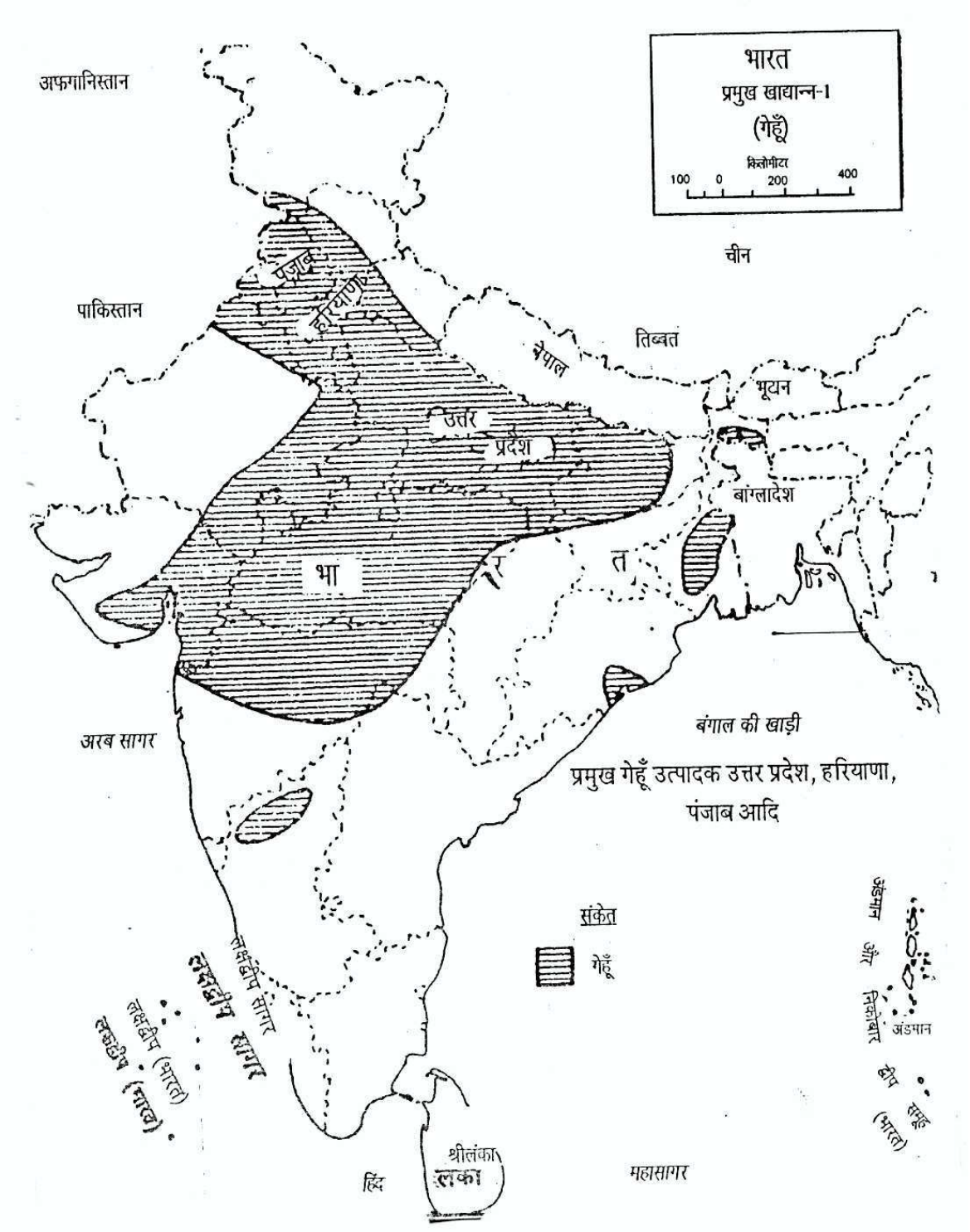
(अगले पृष्ठ पर)


भारत
व्यापारिक फसलें–2
(कपास, पटसन और रबर)
किलोमीटर
100 0 200 400
अफ़गानिस्तान
चीन
पाकिस्तान
तिब्बत
नेपाल
भूटान
बांग्लादेश
भारत
म्यनमार
(बर्मा)
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
संकेत
कपास
पटसन
रबड़
लक्षद्वीप (भारत)
लक्षद्वीप सागर
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत)
अंडमान
श्रीलंका
हिंद महासागर

विभिन्न फसलों के वितरण से संबंधित मानचित्रों का अध्ययन करें तथा अभ्यास करें।

प्र0 5 से 10 तक के उत्तर :-

नाम	तापमान	फसल	मृदा/मिट्टी	वर्षा	जलवायु	क्षेत्र
चाय	20°से.–30°से.	रोपण	उत्तम जल निकासी वाली	150–200 से.मी.	ऊष्ण–आर्द्र जलवायु	असम, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु
रबड़	25°से.–35°से.	रोपण	वन मृदा	300 से.मी.	गर्म व आर्द्र जलवायु	केरल, असम, त्रिपुरा, कर्नाटक, तमिलनाडु
मक्का	21°से.–27°से.	खरीफ़	जलोढ़	50–100 से.मी.	विभिन्न प्रकार की जलवायु	कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश
गन्ना	21°से.–27 °से.	खरीफ़	जलोढ़ व काली	75–100 से.मी.	गर्म व आर्द्र	उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश
चावल	24°से.	खरीफ़	जलोढ़	100 से.मी.	ऊष्णकटिबंधीय	पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, असम
कपास	30°से.	खरीफ़	काली व जलोढ़	50–100 से.मी.	ऊष्ण व उपोष्ण	महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब
गेहूँ	10°से–25°से.	रबी	जलोढ़	50–75 से.मी.	ऊष्ण व उपोष्ण	पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, राजस्थान


भारत
प्रमुख खाद्यान्न-1
(गेहूँ)
किलोमीटर
100 0 200 400
अफगानिस्तान
पाकिस्तान
चीन
तिब्बत
नेपाल
भूटान
बांग्लादेश
पंजाब
हरियाणा
उत्तर प्रदेश
भा र त
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
प्रमुख गेहूँ उत्पादक उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब आदि
संकेत
गेहूँ
लक्षद्वीप सागर
लक्षद्वीप (भारत)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत)
अंडमान
श्रीलंका
लंका
हिंद
महासागर